THE UNIVERSITY OF CHICAGO MEDICINE | Center for Asian Health Equity

30 मार्च 2020

COVID-19 के बीच एशियाई मूल के लोगों के प्रति भय से जुड़े दोषारोपण और भेदभाव को बढ़ने नहीं दें

अमेरिका में अब पूरी दुनिया में सबसे अधिक मामलों की पुष्टि हुई है – सेंटर फॉर डिसीस कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के अनुसार 122,653 से अधिक मामलों की पुष्टि और 2,112 से अधिक मौतें हुई हैं। जैसे-जैसे यह संख्या बढ़ती जा रही है, एशियाई मूल के लोगों के प्रति कोरोनो वायरस से संबंधित विदेशियों से भय (ज़ेनोफोबिया), नस्लवाद, भेदभाव, उत्पीड़न और शारीरिक हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो मेडिसिन सेंटर फॉर एशियन हेल्थ इक्विटी और हमारे कम्युनिटी पार्टनर, एशियन हेल्थ कोलिशन जो मानव समानता तथा स्वास्थ्य समानता के मजबूत पैरोकार हैं, किसी भी तरह के नस्लवाद, भेदभाव और हिंसा की निंदा करते हैं।

इतिहास में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि किसी खास जातीय समूह को किसी संक्रामक बीमारी के प्रकोप से उत्पन्न भय के कारण अलग-थलग कर दिया जाए और उनके साथ भेदभाव किया जाए। न्यूयॉर्क शहर में रूसी यहूदी प्रवासियों को 1892 में हैजा के प्रकोप के दौरान भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। चीन से उत्पन्न हुए सार्स के प्रकोप के दौरान वर्ष 2002 में पूर्वी एशियाई लोगों को निशाना बनाया गया था। वर्ष 2014 में जब इबोला का प्रकोप सामने आया, तब अफ्रीकियों पर इसका कहर बरपा।

यद्यपि देश के द्वारा रोग नियंत्रण के लिए रणनीतियां बनाना और उन्हें लागू करना जारी है, तथापि भय से जुड़े दोषारोपण और भेदभाव COVID -19 के साथ हमारे लोक स्वास्थ्य के प्रयासों में केवल बाधा ही डालेंगे। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका और दुनिया भर में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों द्वारा COVID-19 महामारी का प्रभाव पहले ही महसूस किया जा रहा है। किसी भी तरह का भय फैलाने के बजाय COVID-19 के संचरण को धीमा और समाप्त करने के लिए अब हमें पहले के मुकाबले कहीं अधिक एकजुट होकर काम करना होगा।

नीचे वे तथ्य हैं जिन्हें हम जानते हैं:

- नोवल कोरोना वायरस जिसे अब COVID-19 कहा जाता है, का प्रकोप सबसे पहले चीन के वुहान शहर में दिसम्बर 2019 में पहचाना गया था।
- COVID-19 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा 11 मार्च 2020 को एक महामारी घोषित किया गया था।
- 29 मार्च 2020 तक COVID-19 का प्रसार 200 से अधिक देशों एवं प्रदेशों में हो गया था जिसमें 700,000 से अधिक मामलों की पुष्टि और 30,000 मौतें शामिल हैं।
- सभी लोग तथ्यों को जानकर और अपने समुदाय में दूसरे लोगों से साझा करके COVID-19 से संबंधित लांछन को रोकने में सहायता कर सकते हैं।

कोरोना वायरस नहीं बल्कि भय ही जाति और नस्ल के आधार पर भेदभाव करता है। हमें COVID-19 की इस महामारी का मुकाबला करने के लिए अपनी एकजुटता पर भय, दोषारोपण और भेदभाव के प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

अतिरिक्त संसाधन: Centers for Disease Control and Prevention, World Health Organization